



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 2, 2016/माघ 13, 1937

No. 42]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 2, 2016/MAGHA 13, 1937

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 2016

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पवन चालित विद्युत जेनरेटरों/विंडमिल्स के लिए कतिपय कास्टिंग्स के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरूआत

फा. सं. 14/28/2013-डीजीएडी.— यतः लारसन इंड ट्रिबो लिमिटेड (जिन्हें आगे आवेदक या याचिकार्ता भी कहा गया है) ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाठित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन. गण (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पवन चालित विद्युत जेनरेटरों/विंडमिल्स के लिए कतिपय कास्टिंग्स (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और पाटन और क्षति की मात्रा और सीमा के निर्धारण के लिए पाटनरोधी जांच की शुरूआत करने और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

2. और यतः प्राधिकारी प्रथम दृष्टया यह पाते हैं कि संबद्ध देशों की संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त साक्ष्य हैं इसलिए प्राधिकारी एतद्वारा उक्त

नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति की जांच की शुरूआत करते हैं ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई 'क्षति' को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

क. विचाराधीन उत्पाद

3. इस जाँच में विचाराधीन उत्पाद "पवन चालित विद्युत जेनरेटरों के लिए कास्टिंग्स जिन्हें विंडमिल्स या विंडटर्बाइन्स के लिए कास्टिंग्स के रूप में भी जाना जाता है चाहे मशीनीकृत, अपरिष्कृत रूप में, तैयार रूप में या उप-संयोजित रूप में, या किसी उप-संयोजित के भाग के रूप में या पवन प्रचालित विद्युत जेनरेटरों के लिए उपकरण/संघटक के भाग के रूप में हों।"

4. विंडमिल में अनेक कास्टिंग हिस्सों की जरूरत होती है जिनमें हब, रोटोहब, रोटोर नेब, मेन फ्रेम, बेस फ्रेम, मेन फाउंडेशन, नैकेले, नैकेले फ्रेम, नैकेले फाउंडेशन, बियरिंग हाउस, बियरिंग सपोर्ट, होलो साफ्ट, मेन एक्सल, रोटोर शाफ्ट, रोटोर कपलिंग, एक्सल पिन, मेन शाफ्ट, लेटरल सस्पेंसर, पिच स्टोप, स्टेटर, जेनरेटर कास्टिंग्स, जेनरेटर के कलपुर्जे, रोटोर, ओर्क आर्म सपोर्ट आदि शामिल हैं। इन कास्टिंग्स का प्रयोग कुछ अन्य गैर-कास्टिंग कलपुर्जे और संघटकों जैसे ब्लेड आदि के साथ विंड टर्बाइन में किया जाता है जिनसे विद्युत का उत्पादन होता है। ऐसी सभी कास्टिंग चाहे मशीनीकृत, अपरिष्कृत रूप में, तैयार रूप में या उप-संयोजित रूप में, या किसी उप-संयोजित के भाग के रूप में या पवन प्रचालित विद्युत जेनरेटरों के लिए उपकरण/संघटक के भाग के रूप में हों वर्तमान जाँच के दायरे में शामिल हैं।

ख. समान वस्तु

5. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से भारत में आयातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। कास्टिंग्स का प्रयोग भारत में विंड जेनरेटरों/विंड मिलों के विनिर्माताओं द्वारा किया जाता है और यह अधिक मॉडल/डिजाइन विशिष्ट हैं। तथापि, भारतीय उत्पादकों द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित कास्टिंग्स भौतिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन और जेनरेटरों के मिलते-जुलते माडलों/डिजाइनों के लिए वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसे विशेषताओं के अनुसार तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं। अंतः वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है।

6. यह नोट किया जाता है कि कास्टिंग्स का उनके प्रयोग के अनुसार जेनरेटरों/विंडमिलों के माडलों/प्रकारों/डिजाइनों के आधार पर विभिन्न आकारों और डिजाइनों में विनिर्मित किया जाता है। अंतः पाटन और क्षति निर्धारण के लिए समान से समान की तुलना के प्रयोजनार्थ विभिन्न प्रकार के कास्टिंग्स को अलग-अलग उत्पाद किस्म माना जाएगा और संभव सीमा तक समान से समान आधार पर तुलना की जाएगी। उक्त प्रयोजनार्थ प्राधिकारी उत्पाद किस्मों के समुचित उत्पाद कोड नं (पीसीएन) अधिसूचित करेंगे।

7. यह अनुरोध किया गया है कि उत्पाद को प्राथमिक रूप से नगों/सं. में बेचा जाता है। इन कास्टिंग्स की कीमतें किसी कास्टिंग विशेष में शामिल डिजाइन, आकार, भार, और प्रसंस्करण पर निर्भर करती हैं। समान प्रकृति की दो कास्टिंग्स जैसे दो अलग-अलग विंड मिलों की एच्यूबी संबद्ध भारत, डिजाइन, मशीनीकरण और शामिल प्रक्रिया में अनुसार एक समान नहीं हो सकती हैं। इसलिए, वे दोनों लागत और कीमत के अनुसार काफी अलग-अलग हो सकती हैं। तथापि, पीसीएन स्तर पर समान से समान तुलना के प्रयोजनार्थ भार संबंधी मापदंड अर्थात् कीमत/एमटी पर विचार किया जाएगा।

ग. सीमाशुल्क वर्गीकरण

8. विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अंतर्गत सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 8503 में अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि उक्त वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जाँच की प्रक्रिया पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

घ. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

9. वर्तमान आवेदन भारत में विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों की ओर से मैं, लारसन एंड टुब्रो लिमिटेड (जिसे इसके बाद याचिकाकर्ता या आवेदक कहा गया है) द्वारा दायर किया गया है। आवेदक ने पाटनरोधी शुल्क लगाने की मांग करते हुए इस आवेदन में संगत सूचना दी है।

10. अन्य घरेलू उत्पादकों की अनुमानित क्षमताओं और उत्पादन की मात्रा के आधार पर आवेदक के पास भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन का प्रमुख हिस्सा बनता है। अंतः प्राधिकारी मानते हैं कि इस जाँच के प्रयोजनार्थ आवेदक नियम 5(3) के अनुसार योग्यता रखता है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

ङ. शामिल देश

11. वर्तमान जाँच में शामिल देश चीन जन. गण. है जिसे इसके बाद संबद्ध देश भी कहा गया है।

च. पाटन मार्जिन के अनुमान

12. घरेलू उद्योग ने बताया है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण चीन में घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत के आधार पर नहीं किया जा सकता है। घरेलू उद्योग ने यह भी बताया है कि उत्पाद की मूल प्रकृति के कारण बाजार अर्थव्यवस्था के तीसरे देश में किसी उत्पादक से लागतों और घरेलू बिक्री कीमतों की विस्तृत और व्यापक सत्यापन योग्य जानकारी के अभाव में बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है। अंतः संबद्ध देश में प्रत्येक उत्पाद किस्म/पीसीएन के लिए सामान्य मूल्य का अनुमान उत्पादन की परिकलित लागत जमा तर्कसंगत लाभ और निर्यातिक देश के लिए विधिवत रूप से समायोजित की गई विनिर्माण लागत पर विचार करते हुए लगाया गया है। तथापि, संबद्ध देश में उत्पादक/निर्यातिक बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किए जाने के लिए विहित प्रश्नावली के अनुसार साध्य के साथ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति का खंडन कर सकते हैं।

13. संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पाद प्रकार/पीसीएन की निर्यात कीमतों का अनुमान याचिकाकर्ताओं द्वारा कारखाना द्वारा स्तर पर निवल निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए निजी स्रोतों से प्राप्त आयात आकड़ों को मालभाड़े और बीमा आदि के लिए समायोजित करने के बाद लगाया गया है।

14. प्राधिकारी के समक्ष आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सकारात्मक साध्य के अनुसार संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु का सामान्य भारत में निवल निर्यात कीमत के तुलना में काफी अधिक है जो प्रथमदृष्टया दर्शाता है कि संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु पाटित की जा रही है। इस प्रकार अनुमानित पाटन मार्जिन सकारात्मक हैं और न्यूनतम सीमा से अधिक है।

छ. क्षति और कारणात्मक संबंध

15. याचिकाकर्ताओं ने यह आरोप लगाया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण पाटित आयातों के मात्रा और कीमत प्रभावों की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। आवेदक ने संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा और मूल्य और विभिन्न मापदंडों संबंधी सूचना प्रस्तुत की है जो विचाराधीन उत्पाद के आयात के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को सिद्ध करते हैं। ये मापदंड प्रथमदृष्टया दर्शाते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ज. पाटनरोधी जाँच की शुरूआत

16. उपर्युक्त अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पर्याप्त साध्य को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी एतद्वारा संबंधित नियमावली के अनुसार पाटनरोधी जाँच की शुरूआत करते हैं ताकि संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव की जाँच की जा सके।

झ. प्रक्रिया :

क) जाँच अवधि (पीओआई)

17. यद्यपि घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में अप्रैल 2014-मार्च 2015 की अवधि के लिए समस्त सूचना उपलब्ध कराई है तथापि प्राधिकारी जाँच की शुरूआत के निकट की अवधि के आकड़ों की जाँच करना आवश्यक समझते हैं और तदनुसार इस जाँच के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि (पीओआई) अप्रैल 2014-सित. 2015 तक की है और घरेलू उद्योग को एतद्वारा यथोक्त रूप से विस्तारित अवधि के लिए अतिरिक्त आकड़े उपलब्ध कराने के लिए कहा जाता है। तथापि, क्षति जाँच अवधि में 2011-12, 2012-13, 2013-14 और अप्रैल 2014 - सितम्बर 2015 (पीओआई) की अवधि शामिल होगी।

ख) सूचना प्रस्तुत करना

18. संबद्ध देश में निर्यातकों, भारत में स्थित उनके दूतावास के जरिए चीन जन. गण. की सरकार, संबद्ध वस्तु से संबंधित समझे जाने वाले भारत में आयातकों व प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को अलग-अलग सूचित किया जा रहा है ताकि वे नीचे निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र में एवं ढंग से समस्त संगत सूचना निम्नलिखित पते पर प्रस्तुत कर सकें:

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

भारत सरकार

चौथा तल ,जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली- 110001

19. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी जाँच से संगत सूचना नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित ढंग और पद्धति से प्रस्तुत कर सकता है।

ग) समय-सीमा

20. कोई हितबद्ध पक्षकार जिनका पता उपलब्ध कराया गया है को वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना इस जाँच की शुरूआत के पत्र की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास लिखित में भेजे जाने की सलाह दी जाती है। कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी जिसका पता उपलब्ध नहीं है, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर टिप्पणियां/सूचना प्रस्तुत कर सकता है। यह सूचना मूल प्रति तथा साफ्ट प्रति दोनों में ही प्रस्तुत की जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अधूरी होती है, तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने जाँच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

घ) गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

21. प्रश्नावली के उत्तर सहित प्राधिकारी के समक्ष कोई अनुरोध (उससे संलग्न परिशिष्ट/अनुबंध सहित) प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों के लिए उसके किसी भाग के संबंध में" गोपनीयता "का दावा करने के मामले में निम्नानुसार दो अलग-अलग सैट प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा:—

(क). गोपनीय रूप से अंकित एक सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि); और

(ख). अगोपनीय रूप में अंकित दूसरा सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि)।

22. "गोपनीय "या" अगोपनीय "अनुरोधों पर स्पष्ट रूप से प्रत्येक पृष्ठ पर" गोपनीय "या" अगोपनीय "अंकित होना चाहिए। ऐसे अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे। दोनों पाठों की हाई कॉपीयों के साथ साफ्ट कॉपियां दो (2) सैट में प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

23. गोपनीय पाठ में ऐसी समस्त सूचना होगी जो स्वाभाविक रूप से गोपनीय है और/अथवा ऐसी अन्य सूचना जिसके ऐसी सूचना के प्रदाता द्वारा गोपनीय होने का दावा किया गया है। स्वाभाविक रूप से गोपनीय होने का

दावा की गई सूचना या अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा की गई सूचना के संबंध में सूचना प्रदाता को प्रदत्त सूचना के साथ ऐसे कारणों का विवरण प्रस्तुत करना होगा कि उस सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है।

24. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना ,जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ी गई (यदि सूचीबद्ध करना व्यवहार्य न हो) और सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके। तथापि,आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है और प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांश क्यों संभव नहीं है।

25. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं। सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा।

26. प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत से संतुष्ट होने और उसे स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार को उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

(ड) सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

27. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं।

(च) असहयोग

28. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

ए. के. भल्ला, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(Directorate General of Anti-Dumping And Allied Duties)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 1st February, 2016

Subject: Initiation of anti-dumping investigations concerning import of certain Castings meant for Wind Operated Electricity Generators/Windmills originating in or exported from the People's Republic of China

F. No. 14/23/2013-DGAD.—Whereas M/s Larsen & Toubro Limited, (hereinafter referred to as the Applicant or Petitioner) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as Rules), alleging dumping of certain castings meant for wind operated electricity generators/windmills (hereinafter referred to as

subject goods), originating in or exported from the People's Republic of China (hereinafter referred to as subject country) and requested for initiation of an Anti Dumping investigations for determination of degree and extent of dumping and injury and levy of anti dumping duties on the subject goods from the subject country.

2. And whereas, the Authority finds that sufficient *prima facie* evidence of dumping of the subject goods from the subject country; injury to the domestic industry; and causal link between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry, in terms of the Rule 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping, if any, and to recommend the amount of antidumping duties, which if levied would be adequate to remove injury to the domestic industry.

A. Product under consideration

3. The product under consideration in this investigation is "Castings for wind-operated electricity generators also known as castings for windmills or wind turbines, whether or not machined, in raw, finished or sub-assembled form, or as a part of a sub-assembly, or as a part of an equipment/component, meant for wind-operated electricity generators".
4. A Windmill requires a number of casting parts, including the Hub, Rotohub, Rotor Nabe, Main Frame, Base Frame, Main Foundation, Nacelle, Nacelle Frame, Nacelle Foundation, Bearing Housing, Bearing Support, Hollow Shaft, Main Axle, Rotor Shaft, Rotor Coupling, Axle Pin, Main Shaft, Lateral Suspender, Pitch Stop, Stator, Generator castings, Part of Generators, Rotor, Torque Arm support, etc. These castings are used in the wind turbines along with some other non-casting parts and components like blades, etc. which leads to the generation of electricity. All such castings, whether or not machined, in raw, finished or sub-assembled form, or as a part of a sub-assembly, or as a part of an equipment/component, meant for wind-operated electricity generators are covered in the present investigation.

B. Like article

5. Petitioners have claimed that there is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and subject goods imported into India from the subject country. The castings are used by the manufacturers of the wind generators/windmills in India and are model/design specific. However, the castings manufactured by the Indian producers and imported to India from the subject country are comparable in terms of characteristics such as physical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods for the matching models/designs of the generators. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. Therefore, for the purpose of present investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as like articles of the product imported from the subject country within the meaning of the Rules, 2(d) of the Rules.
6. It is noted that these castings are manufactured in various sizes and designs depending upon the models/types/designs of the generators/windmills for which they are required to be used. Therefore, for the purpose of like to like comparison for dumping and injury determination different types of castings shall be treated as different product types and comparisons shall be on like to like basis to the extent possible. For the above purpose the Authority shall notify appropriate Product Code Numbers (PCNs) of the product types.

7. It has been submitted that the product is primarily sold in pieces/nos. The prices of these castings depend upon the design, size, weight, and processing involved in a particular casting. Two castings of the same nature like HUB of two different windmills may not be the same in terms of associated weight, design, machining and process involved. Hence, the two may differ significantly in terms of cost and price. However, for the purpose of like to like comparison at PCN level the weight criteria, i.e., Price /MT, shall be considered.

C. Customs Classification

8. The product under consideration is classified under Customs sub-heading No. 8503 under the Customs Tariff Act, 1975. However, the above classification is indicative only and is no way binding on the scope of this investigation.

D. Domestic industry and Standing

9. The present application has been filed by M/s Larsen & Toubro Limited (hereinafter referred to as petitioner or applicant) on behalf of the domestic producers of the product under consideration in India. The applicant has provided relevant information to file this application seeking imposition of anti dumping duty.
10. On the basis of the estimated capacities and production volumes of other domestic producers, the applicant commands a major proportion of the production of the subject goods in India. Therefore, the Authority holds that for the purpose of this investigation the applicant commands the standing in terms of Rule 5(3) and constitutes the domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

E. Country Involved

11. The country involved in the present investigation is People's Republic of China, hereinafter also referred to as the subject country.

F. Estimates of Dumping Margin

12. The domestic industry has submitted that China being a non-market economy Normal value cannot be determined based on the selling price of the subject goods in the domestic market in China. The domestic industry has further submitted that because of the very nature of the product, in the absence of detailed complete and exhaustive verifiable information on costs and domestic sales prices from a producer in market economy third country normal value cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country. Therefore, normal value in the subject country has been estimated for each product types/PCN, based on constructed cost of production plus reasonable profit, taking into account the manufacturing costs in India duly adjusted for the exporting country, as *prima facie* evidence for the purpose of initiation of the investigation. The producers/exporters in the subject country may however, rebut this presumption of non-market economy condition with evidence as per the prescribed questionnaire, for grant of market economy treatment.
13. The export prices of individual product types/PCNs from the subject country have been estimated on the basis of import data submitted by the petitioners from private sources after adjusting the same for freight and insurance etc. to arrive at the net export prices at ex-factory level.
14. As per the positive evidence placed by the applicants before the Authority the Normal Values of the subject goods in the subject country are significantly higher than the net export prices to India, indicating *prima-facie* that the subject goods are being dumped in the Indian market by exporters from the subject country. The dumping margins so estimated, are positive and above *de minimis*.

G. Injury and causal link

15. The petitioners have alleged that dumped imports of the subject goods from the subject country are injuring the domestic industry due to the volume and price effects of dumped imports. The applicant has furnished information on volume and value of dumped imports from the subject country and various parameters establishing injury to the domestic industry, on account of import of the product under consideration. These parameters *prima-facie* indicate that the domestic industry has suffered material injury due to dumped imports of the subject goods from the subject country.

H. Initiation of anti-dumping investigations

16. In view of sufficient evidence of dumping, injury and causal links submitted by the domestic industry as above, the Designated Authority, in terms of the Rules supra, hereby initiates an anti-dumping investigation to examine the existence, degree of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country and impacts on the domestic industry.

I. Procedure:**(a) Period of investigation (POI)**

17. Though the domestic industry has provided all information for the period April 2014-March 2015 for investigation in its application the Authority considers it necessary to examine the data for period closer to the initiation and accordingly, for the purpose of this investigation the period of investigation (POI) shall be April 2014- Sept 2015 and the domestic industry is hereby called upon to provide additional data for the extended Period as above. The injury investigation period will however, cover the period 2011-12, 2012-13, 2013-14 and April 2014- Sept 2015 (POI).

(b) Submission of information

18. The exporters in the subject country; the Government of the People's Republic of China, through its Embassy in India; the importers and users of the subject goods in India; and the domestic industry are requested to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority
 Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
 Ministry of Commerce and Industry
 Government of India
 4th Floor, Jeevan Tara Building, Parliament Street,
 New Delhi- 110001.

19. Any other interested party may also make its submissions, relevant to the investigation, in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

(c) Time limit

20. All interested parties, whose addresses are available, would be advised through a letter to offer their comments in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the

date of issuance of such letter. Any other interested party, whose address is not available, may also submit comments/ information within 40 days from date of publication of this notification. The information must be submitted in hard copies as well as soft copies. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the ‘facts available’ on record in accordance with the AD Rules.

(d) Submission of information on confidential basis

21. The parties making any submission (including Appendices/Annexure attached thereto), before the authority including questionnaire response, are required to file the same in two separate sets, in case "confidentiality" is claimed on any part thereof:-
 - (a) One set marked as Confidential (with title, number of pages, index, etc.), and
 - (b) The other set marked as Non-Confidential (with title, number of pages, index, etc.).
22. The “confidential” or “non-confidential” submissions must be clearly marked as “confidential” or “non-confidential” at the top of each page. Any submission made without such marking shall be treated as non-confidential by the Authority and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect such submissions. Soft copies of both the versions will also be required to be submitted, along with the hard copies, in two (2) sets of each.
23. The confidential version shall contain all information which is by nature confidential and/or other information which the supplier of such information claims as confidential. For information which are claimed to be confidential by nature or the information on which confidentiality is claimed because of other reasons, the supplier of the information is required to provide a ‘good cause’ statement along with the supplied information as to why such information can not be disclosed.
24. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out (in case indexation is not feasible) and summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summary, and a statement of reasons why summarization is not possible, must be provided to the satisfaction of the Authority.
25. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim shall not be taken on record by the Authority.
26. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided, shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

(e) Inspection of Public File

27. In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non- confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

(f) Non-cooperation

28. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

A. K. BHALLA, Designated Authority